2022

HINDI

(Honours Elective)

Paper : HIN-HE-5026

(हिन्दी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) मैथिलीशरण गुप्त का जन्म किस ईस्वी को हुआ था?

(ख) माखनलाल चतुर्वेदी का साहित्यिक उपनाम क्या है?

(ग) मैथिलीशरण गुप्त को कौन-सी आख्या प्राप्त है?

(घ) 'सिपाहिनी' कविता के कवि कौन हैं?

(ङ) 'दिनकर' का असली नाम क्या है?

(च) 'अवकाशवाली सभ्यता' शीर्षक कविता में कवि ने मनुष्य के किस स्वभाव की ओर इंगित किया है?

(छ) कवि दिनकर के अनुसार यह धरती किससे थकी हुई है?

(ज) माखनलाल चतुर्वेदी को किस कृति के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था?

(झ) मैथिलीशरण गुप्त की प्रमुख काव्य-रचना 'भारत-भारती' का प्रकाशन कब हुआ था?

(ञ) "हम दूसरों के दुःख को थे दुःख अपना मानते।" यह काव्य-पंक्ति किस कविता में आयी है?

(ट) 'भारत का यह रेशमी नगर' कविता के कवि कौन हैं?

(ठ) "गिनो न मेरी श्वास,
छुए क्यों मुझे विपुल सम्मान?"
प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कविता से उद्धृत हैं?

(ड) 'आ गये ऋतुराज' शीर्षक कविता में कवि ने ऋतुराज किस ऋतु को कहा है?

(ढ) कवि के अनुसार जनतंत्र के देवता कौन हैं?

(ण) 'राष्ट्रवाणी' नामक काव्य-संकलन के सम्पादक कौन हैं?

(त) झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई बचपन में किस नाम से जानी जाती थीं?

(थ) 'स्वदेश के प्रति' कविता में आयी निम्नलिखित काव्य-पंक्ति के रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :
"आ _____ प्यारे स्वदेश आ, स्वागत करती हूँ तेरा।"

(द) कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान का देहावसान कब हुआ था?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) माखनलाल चतुर्वेदी की कविताओं की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(ख) "देवता! हमारा क्या गुनाह है?" यहाँ किस गुनाह के बारे में कहा गया है?

(ग) "अवकाशवाली सभ्यता अब आने ही वाली है।" इस काव्य-पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) कवि की दृष्टि में 'समय के रथ का घर्घरनाद' क्या है? स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'मनुष्यता' शीर्षक कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(च) "मैं हूँ एक सिपाही, बलि है
मेरा अंतिम साध्य!"—का आशय स्पष्ट कीजिए।

(छ) कवयित्री के अनुसार वीरों के लिए वसंत कैसा होना चाहिए?

(ज) 'प्राण का शृंगार' कविता की दो कलापक्षीय विशेषताएँ लिखिए।

(झ) "भारत धूलों से भरा, आँसुओं से गीला, भारत अब भी व्याकुल विपत्ति के घेरे में।" —के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(ञ) 'झाँसी की रानी' शीर्षक कविता में कवयित्री ने भारत को 'बूढ़ा' क्यों कहा है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'मनुष्यता' शीर्षक कविता का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(ख) "व्यथित है मेरा हृदय-प्रदेश
चलूँ उसको बहलाऊँ आज।"

प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं? वक्ता के हृदय के व्यथित होने का क्या कारण है?

(ग) कवि के अनुसार किन लोगों की दृष्टि में जनता 'फूल' या 'दूधमुँही बच्ची' की तरह है? कवि क्या कहकर उनका प्रतिवाद करते हैं?

(घ) 'स्वदेश के प्रति' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(ङ) कवयित्री ने मातृ-मंदिर के मार्ग को दुर्गम क्यों कहा है? वे भगवान से क्या प्रार्थना करती हैं?

(च) 'सिपाहिनी' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(छ) सुभद्रा कुमारी चौहान रानी लक्ष्मीबाई को 'मर्दानी' क्यों कहती हैं? रानी की वीरता का वर्णन किस प्रकार से हुआ है?

(ज) रामधारी सिंह 'दिनकर' का साहित्यिक परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) पर, तुम नगरों के लाल, अमीरों के पुतले,
क्यों व्यथा भाग्यहीनों की मन में लाओगे?
जलता हो सारा देश, किन्तु, होकर अधीर
तुम दौड़-दौड़कर क्यों यह आग बुझाओगे?

अथवा

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी।
भर रही कोकिला इधर तान,
मारू बाजे पर उधर-गान

(ख) है रंग और रण का विधान,
मिलने आये हैं आदि-अंत
वीरों का कैसा हो वसंत?

अथवा

रागिनी पर, नृत्य पर, 'छुम' गा उठे ऋतुराज!
प्यार पर, साहित्य पर, इतरा उठे ऋतुराज!
चित्र पर आ मूर्ति को पिघला उठे ऋतुराज!
भ्रमर मैं, मधु में परस बरसा उठे ऋतुराज!

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) "सुभद्रा कुमारी चौहान की कविताओं का मूल स्वर राष्ट्रीय भावना है।" पठित कविताओं के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ख) पठित कविताओं के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'जनतंत्र का जन्म' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'सिपाही' कविता का सारांश लिखिए।

(ङ) 'द्विवेदी-युग में राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्य-धारा के विकास का लेखा-जोखा प्रस्तुत कीजिए।'

(च) राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा को कविवर दिनकर की देन पर प्रकाश डालिए।

★★★